# स्थान-नाम: समय के साक्षी

## ( ललितपुर जनपद के संदर्भ में )

डॉ. राकेश नारायण द्विवेदी

Scanned with OKEN Scanner

प्रकाशक : जानकी प्रसाद स्मृति सेवा समिति ग्राम छिल्ला (बानपुर) जिला ललितपुर (उत्तर प्रदेश)-284402 के लिए पं. बाबूलाल द्विवेदी द्वारा प्रकाशित मोबाइल नं. 9838303690
ई मेल rn_dwivedi@yahoo.co.in

© : प्रकाशक

प्रकाशन वर्ष : 2012
पहला संस्करण

मूल्य : चार सौ पचास रुपए मात्र

मार्गदर्शन : श्री युत् जुगुल किशोर, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ई मेल kishore_jugul@yahoo.com

मुद्रक : अर्पित प्रिंटोग्राफर्स, दिल्ली-110 032
e-mail : arpitprinto@yahoo.com

ISBN 978-81-908912-2-6

STHAN-NAAM : SAMAY KE SAKSHI
(Lalitpur Janpad ke Sandarbh Men)
by Dr. Rakesh Narayan Dwivedi

# विषयानुक्रम

निवेदन 5

अध्याय - 1 : जनपद ललितपुरः एक विहगावलोकन 13

जलवायु, वर्षा, मृदा, भूतल मानचित्रण, फसलें, उद्योग-धंधे, नामकरण, इतिहास, राजनैतिक चेतना, लोकगीत एवं लोकनृत्य, चित्रकला, पर्यटन स्थल, प्रशासनिक गठन, बैंकिंग व्यापार एवं वाणिज्य, मुद्रा एवं सिक्के, व्यापारिक मार्ग, मेला, मूल्य नियंत्रण एवं राशनिंग, यातायात एवं संचार, जनसंख्या एवं उसकी वृद्धि, जनसंख्या की सघनता, लिंग अनुपात, जनसंख्या के अनुसार ग्रामों का वर्गीकरण, भाषा, साहित्यकार, धर्म और जाति, प्रमुख समुदाय, धार्मिक विश्वास एवं प्रथाएं, सामाजिक जीवन, वेश-भूषा, स्थापत्य कला, राज्य विधानसभा एवं लोकसभा में जिले का प्रतिनिधित्व, चिकित्सा, शिक्षा

अध्याय - 2 : रूप रचना की दृष्टि से स्थान-नामों का विवेचन 81

लोकमाताओं पर आधारित स्थान-नाम, स्थान-नामिक प्राचीनता, स्थान-नामों का उद्गम एवं विकास, नामः स्वरूप-निर्वचन, स्थान-नामों में प्रत्यय, स्थान-नामों में विभेदक पद, स्थान-नामों में उपसर्ग, स्थान-नामों में सामासिकता, स्थान-नामों में संधि, समासों में ध्वनि-परिवर्तन, बहुपदीय रचना पर आधारित स्थान-नाम, स्थान-नामों के पूर्वरूप, पूर्वपदों के विविध रूप, स्थान-नामों का वर्गीकरण-ऐतिहासिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, सामान्य एवं विशिष्ट, स्थान-नामों में अक्षर-संगठन, पद रचना - (क) मौलिक या अयौगिक, (ख) यौगिक (ग) योगरूढ़, स्थान-नामों की रूप रचनात्मक कोटियां 1. एकपदीय स्थान-नाम 2. द्विपदीय स्थान-नाम 3. बहुपदीय स्थान-नाम 4. वाक्यांश मूलक स्थान-नाम।

अध्याय - 3 : स्थान-नामों में प्रयुक्त शब्दावली 132

1. स्थान-नामों में तत्सम शब्द 2. स्थान-नामों में अर्ध तत्सम शब्द

Scanned with OKEN Scanner

3. स्थान-नामों में तद्भव शब्द 4. स्थान-नामों में देशज शब्द
5. स्थान-नामों में ध्वन्यात्मक शब्द 6. स्थान-नामों में विदेशी शब्द
7. स्थान-नामों में स्थानीय शब्द 8. स्थान-नामों में संकर शब्द

अध्याय - 4 : स्थान-नामों का अर्थतात्विक आधार 152

1. ऐतिहासिक आधार 2. राजनीतिक आधार
3. सामाजिक आधार 4. सांस्कृतिक आधार
5. धार्मिक आधार 6. प्राकृतिक आधार

अध्याय - 5 : स्थान-नामों का भाषा एवं ध्वनि संबंधी विवेचन 185

स्थानीय भाषागत विशिष्टताएं-1. सानुनासिक प्रयोग 2. अल्पप्राणीकरण 3. महाप्राणीकरण 4. ओकारांत प्रवृत्ति 5. 'ह' कार लोप की प्रवृत्ति 6. 'र' कार लोप की प्रवृत्ति 7. स्वर संबंधी परिवर्तन 8. व्यंजन संबंधी परिवर्तन 9. स्थान-नामों के लिखित व उच्चरित रूपों में अंतर 10. व्याकरणिक रूपरेखा 11. स्थान-नामों से संबधित लोकोक्तियां 12. स्थान-नामों की आक्षरिक संख्या

अध्याय - 6 : स्थान-नामों का भाषा-भौगोलिक विवेचन 205

(क) पूर्वपदों वाला भूभाग (ख) परपदों वाला भूभाग
(ग) विभेदकों वाला भूभाग (घ) प्रत्ययों वाला भूभाग

अध्याय - 7 : उपसंहार 217

स्थापना एवं निष्कर्ष

परिशिष्ट 223

एक - ललितपुर जनपद के स्थान-नामों की सूची
दो - स्थान-नामों में प्रयुक्त उपसर्ग, पूर्वपद, परपद एवं विभेदक पद

संदर्भ-स्रोत सूची 252

Scanned with OKEN Scanner

जानकी प्रकाशन

जानकी प्रसाद स्मृति सेवा समिति

ग्राम छिल्ला ( बानपुर ) जिला ललितपुर

उत्तर प्रदेश - 284402 भारत

ISBN 978-81-908912-2-6

9 788190 891226

रुपए 450


Scanned with OKEN Scanner